बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | इन्द्रजीत सिंह, मुख्य संवाददाता/सचिव, CNSI-Delhi

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 23 ● अंक: 215 ● नई दिल्ली ● बुधवार 27 अगस्त 2025 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 4

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन

बी-2/370, सुल्तानपुरी दिल्ली-86

कानून के पालन और पारदर्शिता के लिए प्रतिबद्ध, सुप्रीम कोर्ट के एसआईटी गठन पर वंतारा का बयान

नई दिल्ली । रिलायंस फाउंडेशन के वंतारा ग्रीन्स जूलॉजिकल रेस्क्यू एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर पर जानवरों से दुर्व्यवहार, उनकी खरीद में कथित गड़बड़ी के आरोप लगे हैं। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने इन आरोपों की जांच के लिए एक एसआईटी गठित करने का आदेश दिया। इसे लेकर वंतारा का बयान सामने आया है। वंतारा ने कहा है कि वे कानून के पालन और पारदर्शिता के लिए प्रतिबद्ध हैं। वंतारा ने कहा कि वे जांच में पूरा सहयोग करेंगे और साथ ही भविष्य में भी जानवरों के बचाव और उनके पुनर्वास के लिए काम करते रहेंगे। वंतारा ने बयान में कहा हम माननीय सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पूरा सम्मान करते हैं। वंतारा पारदर्शिता, सहयोग और कानून के पालन के प्रति समर्पित है। वंतारा ने कहा कि हमारा मिशन जानवरों का बचाव और उनका पुनर्वास है।

आवाज दबाना... सौरभ भारद्वाज के घर ईडी की रेड पर भड़के केजरीवाल और मान समेत ये आप नेता

नई दिल्ली । दिल्ली में अस्पताल निर्माण घोटाले को लेकर आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक सौरभ भारद्वाज के 12 से ज्यादा ठिकानों पर ईडी ने मंगलवार को छापेमारी की. यह कार्रवाई 5,590 करोड़ रुपये के अस्पताल प्रोजेक्ट में कथित अनियमितताओं को लेकर की गई. एंटी करप्शन ब्रांच भी मामले की जांच कर रही है. सौरभ भारद्वाज के ठिकानों पर चल रही रेड को को लेकर पंजाब सीएम समेत आम आदमी पार्टी के अन्य नेता हमलावर हैं.

सत्येंद्र जैन जी को भी तीन साल जेल में रखा

पंजाब के सीएम भगवंत मान ने इसे पीएम मोदी की डिग्री मामले से ध्यान भटकाने की कार्रवाई बताया है. उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कल से पूरे देश में मोदी जी की डिग्री को लेकर चर्चा है. उस से ध्यान भटकाने के लिए छापेमारी की गई है. केंद्र पर हमलावर मान ने कहा कि सत्येंद्र जैन जी को भी तीन साल जेल में रखा, और बाद में सीबीआई और ईडी ने कोर्ट में क्लोज़र रिपोर्ट फाइल की. इस से साफ है कि आम आदमी पार्टी के नेताओं पर किया गए सारे केस फर्ज़ी और झूठे है. दिल्ली के पूर्व सीएम और आम आदमी पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी सौरभ भारद्वाज के ठिकानों पर हुई रेड की आलोचना की है. उन्होंने इसे मोदी सरकार द्वारा एजेंसीज के दुरुपयोग का एक और मामला कहा है. उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार आम आदमी पार्टी के पीछे पड़ गई है. दिल्ली की पूर्व सीएम आतिशी ने सौरभ भारद्वाज के खिलाफ ईडी की छापेमारी को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है. उन्होंने इसके लिए दिल्ली यूनिवर्सिटी पर भी तंज कसा है. उन्होंने भी इसे

पीएम मोदी के डिग्री वाले मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए की गई कार्रवाई करार दिया है. सौरभ भारद्वाज के घर ईडी के छापे को लेकर मनीष सिसोदिया ने भी सरकार पर हमला बोला है. उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पीएम मोदी की डिग्री के सच से ध्यान भटकाने के लिए आज सौरभ भारद्वाज पर ईडी की रेड कराई जा रही है.

अब और चेहरे होंगे बेनकाब, सौरभ भारद्वाज के घर ईडी की रेड पर बोले वीरेंद्र सचदेवा

दिल्ली की राजनीति में इन दिनों आम आदमी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर लगातार तेज होता जा रहा है. भ्रष्टाचार के मुद्दे पर आरोपों को लेकर दोनों दल आमने-सामने हैं. मेडिकल घोटाले से जुड़े मामले में आप दिल्ली प्रमुख सौरभ भारद्वाज के घर मंगलवार (26 अगस्त) को ईडी की रेड के बाद दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने बड़ा दावा किया है. वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, जांच एजेंसी की कार्रवाई से साफ हो गया है कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिल्ली को लूटने का काम किया है. भ्रष्टाचारियों की जमात में शामिल सौरभ भारद्वाज ने स्वास्थ्य मंत्री रहते हुए अस्पताल निर्माण, दवाइयों और उपकरणों की खरीद में भारी गड़बड़ी की. बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि पार्टी पहले दिन से यह मुद्दा उठा रही है कि अरविंद केजरीवाल और उनकी सरकार ने घोटालों के जरिए जनता के पैसे की बर्बादी की है. अब जांच एजेंसी की कार्रवाई ने इन आरोपों की पुष्टि कर दी है. वीरेंद्र सचदेवा ने आरोप लगाया, पिछले 11 सालों से दिल्ली में विकास कार्यों को ठप करके भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया गया. घोटाले किए गए, चोरी की गई. आम आदमी पार्टी की सरकार ने योजनाओं और परियोजनाओं के नाम पर जनता के हितों के साथ खिलवाड़ किया है. उन्होंने यह भी कहा, जो लोग दिल्ली की जनता को ठग चुके हैं, वे अब अलग-अलग नाम और चेहरों के साथ दूसरे राज्यों में जाकर वहां की जनता को भी गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं. उन्होंने दावा किया कि अस्पतालों के निर्माण और उपकरणों की खरीद में बड़े पैमाने पर घोटाले हुए हैं, जिनकी एसीबी जांच भी जारी है. सचदेवा ने कहा कि जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी, सौरभ भारद्वाज के साथ-साथ उनके खलीफाओं के चेहरे भी बेनकाब होंगे. वहीं आम आदमी पार्टी ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है. साथ ही कहा कि जांच एजेंसियों द्वारा आम आदमी पार्टी को परेशान किया जा रहा है.

दिल्ली कांग्रेस ने लगाया आरोप; दिल्ली में कम हो रही डीटीसी बसें, यात्रियों को हो रही भारी असुविधा

नई दिल्ली। दिल्ली कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि दिल्ली में डीटीसी बसों की संख्या में भारी कमी हो गई है। बसों की कमी के चलते यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में भारी असुविधा हो रही है।

आरोप है कि दिल्ली में नई सरकार आने के बाद दिल्ली की सड़कों से लगभग 2200 बसें हटाई गई हैं, जबकि इस दौरान रेखा गुप्ता सरकार ने अपने लगभग सात महीने के कार्यकाल में 785 नई बसों को शामिल किया है। दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने मंगलवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि सत्ता में आने से पहले भाजपा महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा करने का वादा करती थी। लेकिन लोगों को फ्री बस यात्रा देने की बजाय बसों की संख्या में लगातार कमी की जा रही है। इससे सीधे तौर पर लोग निजी वाहनों के उपयोग के लिए बाध्य होंगे। इससे दिल्ली का प्रदूषण बढ़ने की आशंका है। विशेषज्ञों का मानना है कि दिल्ली के कुल वायु प्रदूषण में राजधानी के स्थानीय निजी वाहनों की बड़ी हिस्सेदारी है।

दिल्ली के बाहर से आने वाले निजी वाहन भी प्रदूषण की समस्या को बढ़ाने के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के सत्ता में आने से पहले भी राजधानी में बसों की संख्या काफी कम थी। लेकिन नई सरकार आने के बाद भी बसों की संख्या में लगातार कमी हो रही है।

दिल्ली सरकार ने राजधानी में बसों को पूरी तरह इलेक्ट्रिक तकनीकी आधारित बसों में तब्दील करने की बात कही है। लेकिन आरोप है कि इसे सड़कों पर उतारने में बहुत अधिक समय लगेगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि दिल्ली मेट्रो के किराए में भी बढ़ोतरी की गई है। इससे भी मेट्रो के कुछ यात्री बसों की ओर रुख कर सकते हैं, लेकिन बसों की कमी के कारण उन्हें बसें भी नहीं मिलेंगी। इससे हर तरफ से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। देवेंद्र यादव ने कहा कि इससे पहले अरविंद केजरीवाल सरकार के समय भी दिल्ली मेट्रो के किराए में 91 प्रतिशत से अधिक बढ़ोतरी की गई थी। उस समय दिल्ली के कुल यात्रियों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई थी। उन्होंने कहा कि जनता से बातचीत करने के बिना किराया बढ़ाने से एक बार फिर लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

'लापता जगदीप धनखड़ अस्पताल में हैं या..., कपिल सिब्बल का अमित शाह पर तंज, पूछ लिए ये सवाल

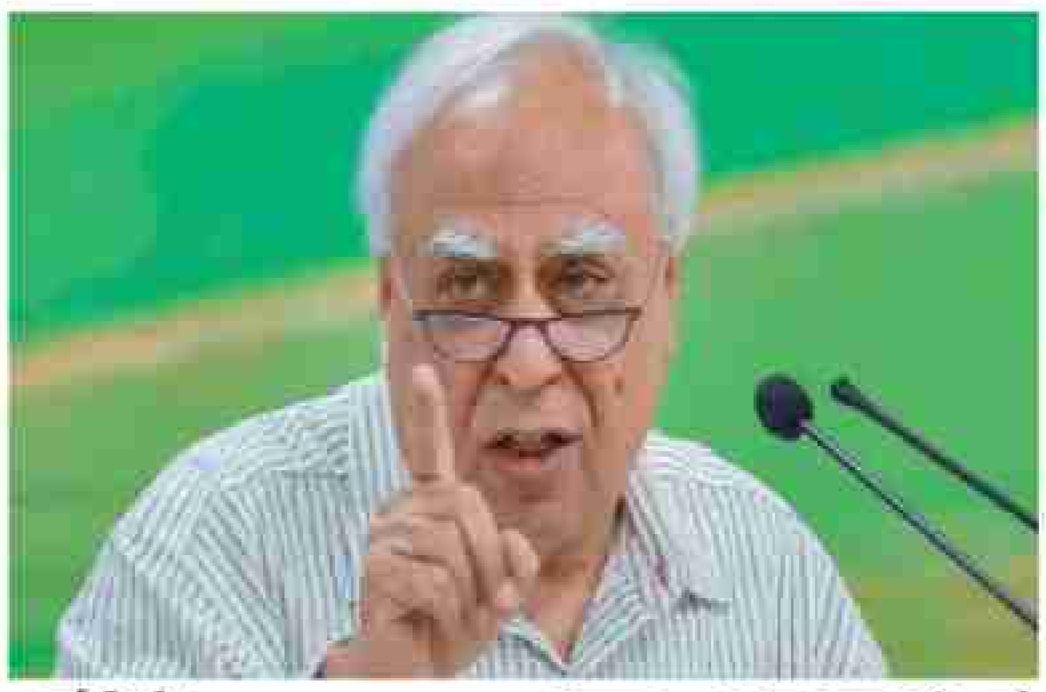

नई दिल्ली ।

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे के बाद से विपक्षी दल खासकर कांग्रेस केंद्र सरकार पर सवाल उठा रही हैं. इस बीच, राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने सोशल मीडिया के जरिए सीधे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से सवाल करते हुए पूछा कि क्या धनखड़ अस्पताल में भर्ती हैं? या योगाभ्यास कर रहे हैं? सिब्बल ने मजाकिया अंदाज में लिखा, लापता धनखड़... अमित शाह जी, मुझे मालूम है कि आप असत्य से दूर रहते हैं. हमें इतना तो बता दीजिए कि धनखड़ जी हॉस्पिटल में हैं, योग कर रहे हैं, या फिर टेबल टेनिस खेल रहे हैं? एक दिन पहले ही अमित शाह ने इस मामले पर प्रतिक्रिया दी थी. उन्होंने कहा कि पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ ने अपने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दिया है और इसमें किसी को कुछ खोजने की जरूरत नहीं है. शाह ने यह भी कहा कि संवैधानिक पद पर रहते हुए धनखड़ ने अच्छा काम किया. हाल ही में ऐसी खबरें आई थीं कि उपराष्ट्रपति पद से अचानक इस्तीफा देने के बाद धनखड़ अपने परिवार के साथ समय बिता रहे हैं और नियमित योगाभ्यास कर रहे हैं. इसके साथ ही, वे टेबल टेनिस खेलना भी नहीं भूले हैं. धनखड़ जब पश्चिम बंगाल के राज्यपाल थे, तब से ही उन्हें टेबल टेनिस का शौक था. उनके करीबी लोगों का कहना है कि वह रोजाना योग करते हैं और अपने स्टाफ और करीबियों के साथ टेबल टेनिस खेलते हैं. धनखड़ ने 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अचानक उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था. उनका कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक था. अब उनके उत्तराधिकारी के चुनाव की तैयारी जोरों पर है. केंद्र में सत्तारूढ़ एनडीए ने महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किया है. वहीं, विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' ने उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी को उनके खिलाफ मैदान में उतारा है. चुनाव 9 सितंबर को होने वाले हैं.

संस्कृति और विश्वास का बंधन, भारत-जापान संबंधों पर बोले पीएम मोदी, अगले हफ्ते होने जा रहा दौरा

नई दिल्ली ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारत और जापान के संबंधों को संस्कृति और विश्वास का बंधन बताया। अहमदाबाद के हंसलपुर स्थित सुजुकी मोटर प्लांट में सुजुकी के पहले वैश्विक रणनीतिक बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन (बीईवी) ई-विटारा को हरी झंडी दिखाने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि सुजुकी के साथ भारत के संबंध बुलेट ट्रेन की गति तक पहुँच गए हैं। उन्होंने मजबूत हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए लिथियम-आयन बैटरी निर्माण सुविधा का उद्घाटन किया, जो तोशिबा, डेंसो और सुजुकी का एक संयुक्त उद्यम है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अगले हफ्ते मैं जापान जा रहा हूं। भारत और जापान के बीच संबंध राजनयिक संबंधों से कहीं आगे तक जाते हैं, यह संस्कृति और विश्वास का बंधन है। हम अपनी प्रगति को एक-दूसरे के विकास में परिलक्षित देखते हैं। मारुति सुजुकी के साथ शुरू किया गया हमारा सफर अब बुलेट ट्रेन की गति तक पहुँच गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत-जापान साझेदारी की औद्योगिक क्षमता को साकार करने की प्रमुख पहल यहीं गुजरात में शुरू हुई। मुझे याद है, जब हमने 20 साल पहले वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन शुरू किया था, तो जापान एक प्रमुख साझेदार था। ज़रा

सोचिए, एक विकासशील देश का एक छोटा सा राज्य जापान जैसे विकसित देश को अपना साझेदार बनाकर निवेश आकर्षित कर रहा है, यह दर्शाता है कि भारत-जापान संबंधों की नींव कितनी मजबूत है। मोदी ने तगा कि शुरुआत में, जब हमारे जापानी साझेदार आते थे, तब मैं उन्हें समझना शुरू ही कर रहा था, और मेरी समझ बढ़ती गई। मुझे एहसास हुआ कि जापानी लोगों का स्वभाव ऐसा है कि उनका सांस्कृतिक पारिस्थितिकी तंत्र उनकी पहली प्राथमिकता है। वे जापानी भोजन पसंद करते हैं। गुजरातियों की अपनी आदतें होती हैं, जब वे गुजरात में होते हैं, तो वे रेस्टोरेंट का खाना खा सकते हैं, लेकिन जब बाहर होते हैं, तब भी वे गुजराती व्यंजन पसंद करते हैं। दिवंगत ओसामु सुजुकी को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत सरकार को उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित करने का गौरव प्राप्त हुआ था। उन्होंने कहा कि मारुति सुजुकी इंडिया के लिए ओसामु सुजुकी के विजन के व्यापक विस्तार को देखकर उन्हें खुशी हो रही है। यह रेखांकित करते हुए कि इलेक्ट्रिक वाहन पारिस्थितिकी तंत्र का सबसे महत्वपूर्ण घटक बैटरी है, प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ साल पहले तक, भारत में बैटरियाँ पूरी तरह से आयातित होती थीं।

उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण को मजबूत करने के लिए, भारत के लिए घरेलू बैटरी उत्पादन शुरू करना आवश्यक है। प्रधानमंत्री मोदी ने याद दिलाया कि 2017 में इसी विजन के साथ टीडीएसजी बैटरी प्लांट की नींव रखी गई थी। प्रधानमंत्री मोदी की आगामी जापान यात्रा पर, विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि भारत और जापान के बीच वार्षिक शिखर सम्मेलन दोनों देशों के बीच मौजूद उच्चतम स्तरीय संवाद तंत्र का प्रतिनिधित्व करता है और यह भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी के एजेंडे को आगे बढ़ाता है। प्रधानमंत्री मोदी पहले भी अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों के दौरान प्रधानमंत्री इशिबा से मिल चुके हैं... भारत और जापान दो ऐसे देश हैं जो कई मुद्दों पर समान मूल्य, विश्वास और रणनीतिक दृष्टिकोण रखते हैं। वे एशिया के दो अग्रणी लोकतंत्र और दुनिया की शीर्ष पाँच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में हमारे द्विपक्षीय संबंधों का दायरा और महत्वाकांक्षा लगातार बढ़ी है और आज इसमें व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, बुनियादी ढाँचा और गतिशीलता, लोगों से लोगों का संपर्क और दोनों पक्षों के बीच जीवंत सांस्कृतिक जुड़ाव शामिल हैं। इसलिए 15वां शिखर सम्मेलन दोनों प्रधानमंत्रियों को इन संबंधों की गहन समीक्षा करने, पिछले कुछ वर्षों में कई क्षेत्रों में हुई प्रगति का जायजा लेने और महत्व के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर देगा। यह संबंधों में अधिक लचीलापन लाने और उभरते अवसरों और चुनौतियों का सामना करने के लिए कई नई पहल शुरू करने का भी अवसर होगा।

कोविड दवा मामले में गौतम गंभीर को दिल्ली हाईकोर्ट से नहीं मिली राहत, ट्रायल पर रोक से इनकार

नई दिल्ली । दिल्ली हाईकोर्ट से भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच और पूर्व सांसद गौतम गंभीर कोकोर्ट से राहत नहीं मिल पाई है. हाईकोर्ट ने गौतम गंभीर उनके फाउंडेशन और परिवार के खिलाफ चल रहे निचली कोर्ट में ट्रायल पर रोक लगाने से मना कर दिया. अदालत में जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने उनकी उस याचिका पर 29 अगस्त को सुनवाई करने की सहमति जताई, जिसमें उन्होंने मामले में दर्ज मुकदमेको रद्द करने और 9 अप्रैल के आदेश को वापस लेने की मांग की है. हाईकोर्ट में गौतम गंभीर की तरफ से पेश वकील ने दलील देते हुए कहा कि गौतम गंभीर पूर्व सांसद, पूर्व क्रिकेट कप्तान और मौजूदा कोच हैं. कोविड महामारी के दौरान उन्होंने लोगों की मदद के लिए ऑक्सीजन सिलेंडर और दवाइयां मुफ्त बांटी है. लेकिन, दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि यह बातें इस मामले में बताने का कोई मतलब नहीं है. अदालत में जब उनके वकील ने उनके राजनीतिक और क्रिकेट करियर का जिक्र किया तो अदालत ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि आप बार-बार नाम और पहचान गिनवा रहे हैं, जैसे यह अदालत में कोई असर करेगी अदालत में नाम नहीं सिर्फ तथ्य और कानून चलते हैं. तभी वकील ने माफी मांगते हुए कहा कि उनका मकसद 'नेम ड्रॉपिंग' करना नहीं था. उन्होंने आग्रह किया कि या तो ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगाई जाए या हाईकोर्ट उनकी याचिका 8 सितंबर से पहले सुन ले, क्योंकि उस दिन ट्रायल कोर्ट में सुनवाई तय है. इसके साथ ही कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान साफ किया कि बिना अभियोजन पक्ष को सुने इस मामले में सुनवाई टालने का आदेश वापस नहीं दिया जा सकता है. साथ ही यह भी कहा कि जिस दिन हिस्ट्री ऑर्डर हटाया गया, उस दिन गौतम गंभीर की ओर से कोई पेश नहीं हुआ था. तभी सितंबर 2021 में कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगाई थी और ड्रग कंट्रोल विभाग से जवाब मांगा था. लेकिन, 9 अप्रैल को अदालत ने यह रोक हटा दिया. गौतम गंभीर पक्ष का कहना है कि उस दिन उनके वकील अदालत में मौजूद नहीं थे और बिना उनकी बात सुने ही स्टे हटा दिया गया. यह पूरा मामला है जब 2021 में कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान दिल्ली ड्रग कंट्रोल विभाग ने गौतम गंभीर उनकी पत्नी नताशा गंभीर मां सीमा गंभीर और फाउंडेशन के सीईओ अपराजिता सिंह के खिलाफ ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक एक्ट के तहत शिकायत दर्ज करवाई थी. हालांकि, इस मामले में आरोप यह है कि गौतम गंभीर फाउंडेशन ने कोविड 19 के दौरान बिना लाइसेंस के दवाओं का स्टॉक और वितरण किया. वहीं अधिनियम की धारा 18(सी) बिना लाइसेंस दवा बेचने या वितरित करने पर रोक लगाती है. इसके बाद धारा 27 के तहत यह अपराध तीन से पांच साल की सजा और जुर्माना है.

जरा संभल के, बड़े धोखे हैं इस राह में !

विजय दर्डा

लंदन में आयोजित लोकमत ग्लोबल इकोनॉमिक कन्वेन्शन और ग्लोबल सखी सम्मान समारोह में सबसे ज्यादा चर्चा इसी बात की थी कि क्या शक्तिशाली भारत को कुछ विदेशी नीतियां दबा देंगी? जो लोग भी समारोह में आए या जिन लोगों से भी मैं दूसरी जगहों पर मिला, सब यही पूछ रहे थे कि टैरिफ के दबाव का असर भारत पर क्या होगा? मैंने अपने भाषण में इसका बड़ा स्पष्ट जवाब दिया। मैंने कहा कि हमें जितना दबाओगे, हम उतनी ही ताकत से ऊपर उठ कर आएंगे, यही भारत की तासीर है। प्रेम हमारी रगों में बहता है, प्रेम से बात करोगे तो दिल लुटा देंगे लेकिन हेकड़ी दिखाओगे तो वह मंजूर नहीं। दबाव की राजनीति हम पर काम नहीं करेगी। और यही बात भारतीय कूटनीति में स्पष्ट भी हो रही है, 50 फीसदी टैरिफ के सामने भारत ने झुकने से इन्कार कर दिया है। ट्रम्प हमारी कृषि को चरना चाह रहे हैं लेकिन भारत का नजरिया बड़ा साफ है कि किसी के लिए भी हम चरागाह नहीं हैं। हम किसी दूसरे के कहने पर खुद की नीतियां तय नहीं करेंगे। हमारे लिए कोई भी दुनिया का चौधरी नहीं है, देश हमारा है, हम इसे अपनी नीतियों के अनुरूप चलाएंगे। हम तय करेंगे कि हमें किससे तेल खरीदना है और किससे नहीं खरीदना है। हम शांति के पुजारी हैं, हथियारों के सौदागर नहीं, हम तय करेंगे कि किससे दोस्ती रखना हमारे हित में है और किससे नहीं।

27 अगस्त को भारत पर 50 फीसदी अमेरिकी टैरिफ लागू होने वाला है लेकिन इससे बिना विचलित हुए भारतीय तेल कंपनियों ने सितंबर और अक्तूबर के लिए रूस को ऑर्डर दे दिया है, और रूस करीब 5 प्रतिशत नया डिस्काउंट भी भारत को देने वाला है। और अंत में अलास्का में ट्रम्प और पुतिन के बीच बैठक बेनतीजा रही मगर पुतिन ने बड़ा संदेश दे दिया। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव जो टीशर्ट पहनकर पहुंचे, उस पर लिखा था सीसीसीपी, अंग्रेजी में यूएसएसआर यानी यूनियन ऑफ सोवियत सोशलिस्ट रिपब्लिक का ये रूसी नाम है। टूटने से पहले यूएसएसआर में रूस और यूक्रेन सहित 15 देश थे।

इतने वर्षों के अनुभव के आधार पर एक बात मेरी समझ में आई है कि कोई दोस्त और कोई दुश्मन नहीं होता, समय सब सिखाता है कि किसके साथ कब दोस्ती रहेगी, क्यों रहेगी, किस प्रकार की रहेगी, उसका स्वरूप और समय क्या होगा। इसलिए इस वक्त भारत और चीन यदि दोस्ती की महफिल सजाने की कोशिश कर रहे हैं या उस ओर कदम बढ़ा रहे हैं तो यह वक्त का ही खेल है, ध्यान दीजिए कि इस महीने की दो तारीखें भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित होने वाली हैं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत पर जो 50 फीसदी टैरिफ की घोषणा कर रखी है, 27 अगस्त को वह लागू हो जाएगा। दूसरी तारीख है 31 अगस्त जब चीन के तियानजिन शहर में शंघाई सहयोग संगठन की बैठक के सिलसिले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग मिलेंगे। साथ में होंगे रूस के राष्ट्रपति पुतिन, इस मुलाकात पर पूरी दुनिया की नजर लगी है। ट्रम्प भी जरूर सोच रहे होंगे कि क्या कुछ खिचड़ी पकेगी? इसके पहले चीन के विदेश मंत्री वांग यी भारत आए और नरेंद्र मोदी से मुलाकात भी की। शंघाई सहयोग संगठन की बैठकों में ये तीनों नेता पहले भी मिल चुके हैं लेकिन इस बार परिस्थितियां बिल्कुल अलग हैं, इसलिए चर्चाएं ज्यादा हो रही हैं हम इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं कि भारत के साथ चीन के संबंधों का इतिहास बहुत खराब रहा है, अविश्वास की गहरी खाई है। 1954 में जवाहर लाल नेहरू के साथ चीन के तत्कालीन शासक चाऊ एन लाई ने भी हिंदी-चीनी भाई-भाई का नारा लगाया था। मगर हुआ क्या? चीन ने 1962 में हम पर हमला कर दिया, हमारी जमीनें हड़प लीं। 2020 में गलवान घाटी में चीनी हरकतों की याद अभी भी ताजा है, पहलगाम की घटना के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर चलाया तो चीन ने उपग्रह की खुफिया जानकारियों से लेकर जंग के सारे लॉजिस्टिक पाकिस्तान को उपलब्ध कराए। चीन वो सारी हरकतें करता है जो भारत को कमजोर करे, इसलिए यह मान लेना उचित नहीं होगा कि चीन हमारे साथ पक्की दोस्ती निभाने के लिए तैयार होने वाला है। चीन हमें वो सब कुछ नहीं देने वाला जिसकी हमें जरूरत है।
दरअसल अमेरिकी दबाव चीन पर भी काफी है, उसे भी दबाव से निपटना है। इधर हमें भी दबाव से निपटना है तो ऐसा मान लीजिए कि दो निपटने वाले लोग एक जगह आ रहे हैं, हमें अपने हितों को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ना है, हम जानते हैं कि इस राह में बड़े धोखे हैं इसलिए संभल कर चलने की जरूरत है।
हमारे पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर गृहमंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल जैसे कूटनीति के धुरंधर मौजूद हैं और वे किसी राह पर बढ़ रहे हैं या बढ़ेंगे तो निश्चय ही वह सोचा-समझा कदम होगा, पीयूष गोयल जानते हैं कि कहां कैसे बार्गेन करना है। भरोसे की बात यह है कि भारत-चीन संबंधों को बेहतर बनाने में पुतिन की भूमिका की उम्मीद ज्यादा है और रूस हमेशा ही भारत का सच्चा दोस्त रहा है। मुझे ऐसा कोई मौका याद नहीं आता, नेहरू काल से लेकर मोदी काल तक, जब रूस ने कभी दबाव की राजनीति की हो। दोनों देशों के संबंध हमेशा ही बहुत सहज रहे हैं, हर मुश्किल वक्त में रूस ने भारत का साथ दिया है और भारत ने भी दोस्ती को महफूज रखने की हर संभव कोशिश की है। अमेरिका के टैरिफ हमलों के बीच भारत और रूस एक-दूसरे के साथ हाथ में हाथ डाल कर खड़े हैं। 27 अगस्त को भारत पर 50 फीसदी अमेरिकी टैरिफ लागू होने वाला है लेकिन इससे बिना विचलित हुए भारतीय तेल कंपनियों ने सितंबर और अक्तूबर के लिए रूस को ऑर्डर दे दिया है, और रूस करीब 5 प्रतिशत नया डिस्काउंट भी भारत को देने वाला है। और अंत में अलास्का में ट्रम्प और पुतिन के बीच बैठक बेनतीजा रही मगर पुतिन ने बड़ा संदेश दे दिया। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव जो टीशर्ट पहनकर पहुंचे, उस पर लिखा था सीसीसीपी, अंग्रेजी में यूएसएसआर यानी यूनियन ऑफ सोवियत सोशलिस्ट रिपब्लिक का ये रूसी नाम है। टूटने से पहले यूएसएसआर में रूस और यूक्रेन सहित 15 देश थे। संदेश ये है कि यूएसएसआर से कम पुतिन को कुछ भी मंजूर नहीं, आगे-आगे देखिए होता है क्या।

सम्पादकीय...

अमृत काल में, मरे हुए को जिन्दा करना

बादशाह चिंतित थे। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि उन्हें चोर क्यों कहा जा रहा था। चोरी तो जिंदगी में ना जाने कितनी की थी पर उन्हें कभी चोर नहीं कहा गया था। क्या इस बार चोर्य कर्म में कोई कमी रह गई कि कोई एक या दो व्यक्ति नहीं, सारी जनता उन्हें चोर कह रही थी। बादशाह को समझ नहीं आया तो उन्होंने अपने ऐसे सारे कर्मों के साथी, अपने दाएं हाथ, अपने सबसे बड़े रत्न अलिफ़ को बुलवा भेजा। चाणक्य की नीतियों से अनजान लोग रत्न अलिफ़ को चाणक्य भी कहा करते थे। सचाई तो यह है कि अगर चाणक्य आज जिन्दा होते तो उसको अपने नाम से पुकारे जाता देख कर आत्महत्या कर लेते। तो सरकार जी के दाएं हाथ, अलिफ़, दौड़ते दौड़ते आये। दौड़ते दौड़ते आये तो सिर्फ कहावत है। आये तो अपनी शोफर ड्रिवन सरकारी गाड़ी से ही। चंद लम्हों में ही पहुंच गए। पर वे चंद लम्हे बादशाह को सदियों जैसे लगे। पहुंचे तो देखा कि बादशाह चिंता मग्न हैं। अपने सबसे प्यारे, सबसे दुलारे रत्न अलिफ़ को देखते ही बादशाह बोले, आओ, भाई, आओ। हम सोच में हैं कि इस बार हमारी चोरी में ऐसी क्या कमी रह गई कि सारी दुनिया हमें चोर, चोर कह रही है। क्यों भाई, टीम तो सोच समझ कर ही बनाई थी ना। हाँ जहांपनाह, टीम तो सोच समझ कर ही बनाई थी। टीम में सारे के सारे बाशिंदे मेरे अपने ही आदमी थे। और टीम लीडर तो सालों से मेरे लिए ही काम कर रहा था। पता नहीं फिर उससे गलती कैसे हो गई, अलिफ़ ने जवाब दिया। हूँ, टीम अपनी बनाने के लिए ही तो इतना सारा पंगा लिया। कानून तक बदल दिए। फिर भी..., बादशाह कुछ सोच में डूब गए। हम सालों से चोर्य कर्म कर रहे हैं। कभी पकड़े नहीं गए पर पता नहीं इस बार क्या कमी रह गई जो पकड़े गए। हाँ, ना जाने कितनी बार चोरी की। और चोरी भी इतनी सफाई से की कि कभी पकड़े ही नहीं गए। बल्कि कुछ ऐसा स्वांग रचा कि लोग चोरी की भी भरपूर प्रशंसा करते रहे। वो नोटबंदी, क्या कम बड़ी चोरी थी। खूब सारी जमीनें खरीदीं, अपने बड़े बड़े ऑफिस बनवाये। और लोग मास्टर स्ट्रोक समझते रहे, जब दो चोर अकेले में मिले तो अपनी चोरी की पुरानी यादों में खो गए। और जहांपनाह, वो जो हवा में उड़ने वाले जहाज खरीदे थे ना, दूसरे देश से, उनमें भी तो खूब मोटा चूना लगाया था। जनता के पैसे से जहाज खरीदे और उन्हें ही कीमत नहीं बताई। उनको देशभक्ति की चाशनी में भी डुबो कर रख दिया। जिसने भी कीमत पूछी, उसी को देशद्रोही बता दिया। और वह मंदिर बनाने का कांड। उसमें भी तो बढ़ चढ़ कर चोरी की थी ना। जमीन की कीमत मिनटों में कई गुना बढ़ा दी। निर्माण इतना बढ़िया कि पहली बारिश में ही चूने लगे। लोगों को राम नाम जपने में लगा दिया और खूब चोरी की, नोट की भी और वोट की भी, बादशाह और अलिफ़ एक साथ हँसने लगे। कंस्ट्रक्शन में भी ना, बहुत मोटी कमाई है। तो देश में खूब निर्माण करवाया। सड़कें, पुल, बिल्डिंग्स, सब बनवाये। और खूब बनवाये। वह सेंट्रल विस्टा भी हमने ही तो बनवाया था। पहली बारिश में ही चूने लगा। इस सारे निर्माण में हमने जितना कमाया उतनी कमाई किसी और काम में नहीं की। और चोरी भी इनमें जितनी है ना, उतनी किसी भी काम में नहीं है, अलिफ़ ने जोड़ा। और वह, बादशाह केयर्स फंड। वह क्या कम बड़ी चोरी थी। सबसे पैसा डलवा लिया। क्या प्राइवेट कम्पनी, क्या सरकारी, सबने पैसा दिया। और तो और, नौकरी पेशा लोगों, कर्मचारियों से भी एक एक दिन की तनख्वाह काट कर डाल दी उसमें। और जब हिसाब किताब की बात आई तो कह दिया, यह तो प्राइवेट है। प्राइवेट फंड में सरकारी कम्पनी पैसे देगी क्या? लोगों से जबरदस्ती एक एक दिन की तनख्वाह ले सकते हो क्या? दोनों हंसने लगे। और जब पूछा तो कह दिया, वेंटीलेटर लगवाये हैं, वेंटीलेटर, दोनों और जोर से हंसने लगे। तीस हज़ार करोड़ में तो हर घर में वेंटीलेटर लग जायें और फिर भी पैसे बच जाएं। अचानक ही बादशाह गंभीर हो गए, इस बार कैसा आदमी लाये हो तुम अलिफ़। इस अमृत काल में, मरे हुए को जिन्दा करना, उसका वोट बनाना तो ठीक है। उसके बदले कोई न कोई जा कर वोट डाल ही आएगा। पर यह क्या कि खुद यमराज बन गए। जिन्दा लोगों को ही मार दिया। उनका वोट काट दिया। अरे भाई, मरा बताना था तो यह भी तो पक्का करना था कि वे लोग कोर्ट पहुंचें ही नहीं। जब मार ही दिया था तो उनको जेल में भी डाल देते। और यह भी क्या कि किसी छोटे से घर में, एक ही कमरे के मकान में अस्सी, सौ, दो सौ वोटर बना डाले। इतने वोटर किसी महलनुमा मकान में बनाते तो किसी को शक भी नहीं होता। क्या बौड़म आदमी ढूंढा है तुमने इस बार। चिंता ना करें जहांपनाह, मैं हूँ ना। मैं सब ठीक कर दूंगा, रत्न अलिफ़ ने बादशाह को सांत्वना दी। बादशाह को विश्वास था कि अलिफ़ सब ठीक कर देगा। उसके पास ईडी और सीबीआई जैसी संस्थाएं जो हैं। और देश में बादशाहद्रोह जैसे कानून भी हैं।

भारत का 'सुदर्शन चक्र'

भगवान विष्णु और श्री कृष्ण के सुदर्शन चक्र के बारे में हम सब परिचित हैं। भगवान कृष्ण ने सुदर्शन चक्र का इस्तेमाल महाभारत में किया था। पुराणों के अनुसार सुदर्शन चक्र एक ऐसा अचूक शस्त्र था जिसे छोड़ने के बाद वह अपने लक्ष्य का पीछा करता था और उसे खत्म करने के बाद अपने छोड़े गए स्थान पर वापस आ जाता था। श्री कृष्ण के सुदर्शन चक्र से प्रेरित होकर भारत ने अपना नया रक्षा कवच बनाने की ओर कदम बढ़ा दिया है। ओडिशा के तट पर एकीकृत हवाई रक्षा हथियार प्रणाली (डिफेंस वेपन सिस्टम) का पहला उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक कर लिया है। इसे विकसित करने वाले प्रतिष्ठान डीआरडीओ की इस उपलब्धि पर समूचे राष्ट्र को गर्व है। डिफेंस वेपन सिस्टम का पहला परीक्षण ऑपरेशन सिंदूर के साढ़े तीन महीने बाद हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से सुदर्शन चक्र मिशन की घोषणा की थी। नया सुरक्षा कवच अगले कुछ वर्षों में तैयार हो जाएगा जो दुश्मनों के लिए काल साबित होगा। भारत सुरक्षा संबंधी अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना कर रहा है। उन चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए भारत को एक व्यापक बहुस्तरीय सुरक्षा रणनीति की जरूरत है। प्रमुख सैन्य प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता एक मजबूत कदम का संकेत है। राष्ट्र वही जिंदा रहते हैं जो समय-समय पर व्यापक सामरिक रणनीति को तैयार करते रहते हैं। महत्वपूर्ण नागरिक बुनियादी ढांचे भारत की आर्थिक रीढ़ है और उनकी सुरक्षा के लिए तुरंत बड़े कदम उठाने की जरूरत थी। इसलिए मिशन सुदर्शन चक्र बहुत ही महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की सीमाओं, सेना के ठिकानों, बुनियादी ढांचे से जुड़े प्रतिष्ठानों, सार्वजनिक स्थलों और बड़े शहरों की सुरक्षा के महत्व को रेखांकित भी किया था। अप्रैल में पहलगाम में हुए आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सैन्य ठिकानों,

प्रमुख सैन्य प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता एक मजबूत कदम का संकेत है। राष्ट्र वही जिंदा रहते हैं जो समय-समय पर व्यापक सामरिक रणनीति को तैयार करते रहते हैं। महत्वपूर्ण नागरिक बुनियादी ढांचे भारत की आर्थिक रीढ़ हैं और उनकी सुरक्षा के लिए तुरंत बड़े कदम उठाने की जरूरत थी। इसलिए मिशन सुदर्शन चक्र बहुत ही महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की सीमाओं, सेना के ठिकानों, बुनियादी ढांचे से जुड़े प्रतिष्ठानों, सार्वजनिक स्थलों और बड़े शहरों की सुरक्षा के महत्व को रेखांकित भी किया था।

लड़ाकू विमानों और शहरों पर पाकिस्तान द्वारा किए गए हमलों की योजना आधुनिक खतरों की बहुआयामी प्रकृति को दर्शाती है। हालांकि भारत की मौजूदा प्रणालियों ने इन हमलों को सफलतापूर्वक रोक दिया लेकिन ऐसे प्रयासों की आवृत्ति और परिष्कार बढ़ रहा है, जिसके लिए अधिक व्यापक प्रतिक्रिया की आवश्यकता है। आधुनिक युद्ध पारंपरिक मिसाइल हमलों से कहीं आगे तक फैला हुआ है।
आज के खतरों में साइबर युद्ध, ड्रोन हमले, हाइपरसोनिक हथियार और समन्वित बहु-क्षेत्रीय हमले शामिल हैं जो पारंपरिक रक्षा प्रणालियों को ध्वस्त कर सकते हैं। पाकिस्तान द्वारा हाल ही में उन्नत मिसाइल तकनीक हासिल करने और क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य क्षमताएं एक ऐसा वातावरण तैयार कर रही हैं जहां आंशिक सुरक्षा भी कोई सुरक्षा नहीं है। भारत की तेज आर्थिक वृद्धि ने कई उच्च-मूल्य वाले लक्ष्यों को जन्म दिया है -बेंगलुरु और हैदराबाद के तकनीकी केंद्रों से लेकर गुजरात और महाराष्ट्र के औद्योगिक परिसरों तक। इन सुविधाओं पर सफल हमलों से होने वाला संभावित आर्थिक नुकसान भारत के विकास को दशकों पीछे धकेल सकता है। भारत का विकसित किया जा रहा उन्नत मिसाइल डिफेंस सिस्टम 'सुदर्शन चक्र' अपनी तकनीकी क्षमताओं के कारण बेहद खास है। यह सिस्टम 2500 किलोमीटर तक की रेंज में दुश्मन की मिसाइलों को नष्ट करने में सक्षम होगा और 150 किलोमीटर की ऊंचाई तक हवा में किसी भी मिसाइल को इंटरसेप्ट कर सकेगा। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और लेजर-गाइडेड सिस्टम जैसी आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया गया है जो इसे बेहद सटीक निशाना साधने की क्षमता देता है। सुदर्शन चक्र 5 किलोमीटर प्रति सैकेंड की रफ्तार से मिसाइल दाग सकता है और इसकी संरचना एक ग्राउंड-बेस्ड और स्पेस-बेस्ड हाइब्रिड सिस्टम पर आधारित है, जिसमें सैटेलाइट और रडार नेटवर्क दोनों शामिल हैं। इसका लक्ष्य दुश्मन की बैलिस्टिक मिसाइल, क्रूज मिसाइल और हाइपरसोनिक हथियारों को निष्क्रिय करना है।
सरकार ने इसे 2026 तक पूरी तरह से तैनात करने का लक्ष्य रखा है और इसकी अनुमानित लागत करीब 50,000 करोड़ रुपये बताई जा रही है। रक्षा क्षेत्र में भारत के पास जल-थल-नभ में अपनी ताकत है। देश में ही बनाए गए आधुनिक मिसाइल सिस्टम जैसे आकाश, पिनाका सिस्टम काफी सफल रहे हैं। भारत अब नए तरह की टार्गेटेड एक्शन मिसाइल के निर्माण की तैयारी कर रहा है। पनडुब्बियां और युद्धपोत भी बनाए जा रहे हैं। जब युद्ध के मैदान में तकनीक हावी हो रही हो तो भारत को अपनी सुरक्षा नीतियों को उसी स्तर पर अपग्रेड करना होगा। विकास तभी काम का है जब देश सुरक्षित है।

सिंधिया को लेकर आमने-सामने आ गए दिग्विजय और कमलनाथ

कांग्रेस पार्टी में ऐसे नेताओं की भरमार है जो अपने बयानों के जरिए पार्टी आलाकमान खासकर गांधी परिवार के लिए असहज स्थिति पैदा करते रहते हैं। कांग्रेस के दो बड़े नेताओं ने एक बार फिर से पार्टी के सामने ऐसी ही असहज स्थिति पैदा कर दी है और सबसे बड़ी बात है कि ये दोनों पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं और दोनों ही अलग-अलग दौर में मध्य प्रदेश जैसे महत्वपूर्ण राज्य के मुख्यमंत्री भी रह चुके हैं। विडंबना देखिए कि, एक तरफ राहुल गांधी बीजेपी के सबसे मजबूत गढ़ माने जाने वाले राज्यों में से एक मध्य प्रदेश में कांग्रेस को मजबूत बनाने के अभियान में जुटे हुए हैं। इसी मिशन के तहत कई बार मध्य प्रदेश का दौरा कर चुके राहुल गांधी ने रविवार, 24 अगस्त को मध्यप्रदेश के नवनियुक्त जिला कांग्रेस अध्यक्षों की एक बड़ी बैठक दिल्ली में बुलाई थी। पार्टी द्वारा चलाए जा रहे संगठन सृजन अभियान के तहत आयोजित की गई इस बैठक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम को राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राष्ट्रीय संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी, मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और मध्य प्रदेश में विपक्ष के नेता उमंग सिंघार सहित पार्टी के कई अन्य बड़े नेताओं ने भी संबोधित किया। लेकिन मध्य प्रदेश से लेकर देश की राजधानी दिल्ली तक, इस बैठक से ज्यादा चर्चा दिग्विजय बनाम कमलनाथ की लड़ाई की हो रही है। मध्य प्रदेश में पांच वर्ष पहले कमलनाथ सरकार के गिरने के लिए उन्हीं को जिम्मेदार बताते हुए दिग्विजय सिंह ने खुलासा किया कि इसके लिए स्वयं कमलनाथ ही जिम्मेदार थे। एक पॉडकास्ट में बोलते हुए दिग्विजय सिंह ने पांच वर्ष पहले के घटनाक्रम का खुलासा करते हुए कहा कि, उस समय विचारधारा का विवाद नहीं था बल्कि उस समय के मुख्यमंत्री कमलनाथ लगातार ज्योतिरादित्य सिंधिया की उपेक्षा कर रहे थे, इसलिए कांग्रेस की सरकार उस समय गिर गई थी। दिग्विजय सिंह ने अपने पॉडकास्ट में कहा कि वर्ष 2020 की शुरुआत में कमलनाथ और ज्योतिरादित्य सिंधिया के बीच कुछ मतभेद पैदा हो गए थे। उन्होंने इसे सुलझाने के लिए देश के एक बड़े उद्योगपति से सहयोग मांगा। उस बड़े उद्योगपति ने तीनों नेताओं (कमलनाथ, ज्योतिरादित्य सिंधिया और उन्हें) अपने घर पर आमंत्रित किया। उस बैठक में दिग्विजय और सिंधिया ने कमलनाथ को एक साझा विशलिस्ट दी थी, जिसमें ग्वालियर-चंबल क्षेत्र के कुछ अटके हुए कामों का जिक्र था और इस पर जल्द सरकार की तरफ से काम होने की उम्मीद थी। लेकिन कमलनाथ ने उन मुद्दों पर काम नहीं किया। अगर ग्वालियर-चंबल से जुड़ी ज्योतिरादित्य सिंधिया की मांगें पूरी कर दी जातीं और कमलनाथ लगातार सिंधिया की उपेक्षा नहीं करते तो उस समय कांग्रेस की सरकार नहीं गिरती। दिग्विजय सिंह के इन आरोपों पर पलटवार करते हुए कमलनाथ ने उनकी सरकार गिरने का ठीकरा दिग्विजय सिंह पर ही फोड़ दिया। कमलनाथ ने दिग्विजय सिंह के आरोपों का जवाब देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मध्य प्रदेश में 2020 में मेरे नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार गिरने को लेकर हाल ही में कुछ बयानबाजी की गई है।

चुनाव आयोग को निशाना बनाना अनुचित

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी के सवालों का जवाब देते हुए उनके आरोपों को बेबुनियाद करार दिया। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा, 'इनकी जांच बिना हलफनामा दाखिल किए नहीं हो सकती है। या तो राहुल गांधी हलफनामा दें या फिर देश से माफी मांगें। उन्हें 7 दिनों के अंदर हलफनामा देना होगा या पूरे देश से माफी मांगनी होगी, नहीं तो समझा जाएगा कि ये आरोप बेबुनियाद हैं।' उन्होंने कहा कि 'वोट चोरी' जैसे शब्दों का इस्तेमाल करोड़ों मतदाताओं और लाखों चुनाव कर्मचारियों की ईमानदारी पर हमला है। महाराष्ट्र को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि समय रहते जब ड्राफ्ट सूची थी तो आपत्ति दर्ज क्यों नहीं कराई और नतीजों के बाद ही गड़बड़ी की बात क्यों सामने लाई गई। लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों पर पलटवार करते हुए चुनाव आयोग ने कहा, लोकसभा चुनाव के लिए 1 करोड़ से अधिक अधिकारी, 10 लाख से अधिक बूथ-स्तरीय एजेंट और 20 लाख से अधिक मतदान एजेंट काम करते हैं। क्या कोई इतने सारे लोगों के सामने और इतनी पारदर्शी प्रक्रिया के साथ वोट चुरा सकता है? दोहरे मतदान के कुछ आरोप लगाए गए थे लेकिन जब हमने सबूत मांगा तो हमें कुछ नहीं मिला। ऐसे आरोपों से न तो चुनाव आयोग डरता है और न ही कोई मतदाता।' 'वोट चोरी' का मामला अभी सर्वोच्च अदालत में है।

पिछले एक दशक से देश की राजनीति में व्यापक फेरबदल देखने को मिला है। 2014 में केंद्र में एनडीए की सरकार बनने के बाद से देश की राजनीति का रंग और ढंग बदला है। देश के अधिकतर राज्यों से विपक्ष की राजनीति धराशायी हो गई है। वर्तमान में भी गिने-चुने राज्यों में ही विपक्षी दलों की सरकार है। लोकसभा और विधानसभा चुनाव में लगातार मिल रही पराजय से खीझा हुआ विपक्ष अब अपनी भड़ास चुनाव आयोग और चुनाव आयुक्त पर उतार रहा है। ईवीएम पर तो आरोप लगते ही रहते हैं। वो अलग बात है आज जिस चुनाव आयोग पर विपक्ष उंगली उठा रहा है, जिसको आरोपों के कठघरे में खड़ा कर रहा है। उसी चुनाव आयोग और चुनावी प्रक्रिया के माध्यम से वो लोकसभा और विधानसभा में पहुंचा है। ईवीएम पर गुस्सा निकालने और खीझ उतारना अब पुरानी बात हो गई है। अब निशाने पर सीधे तौर पर मुख्य चुनाव आयुक्त हैं। इसी साल फरवरी महीने में ज्ञानेश कुमार को मुख्य चुनाव आयुक्त नियुक्त किया गया था। चुनाव आयोग के सदस्यों की नियुक्ति के लिए बने नए कानून के तहत पद संभालने वाले वो पहले सीईसी बने थे। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग की नौबत यकीनन संविधान और लोकतंत्र के लिए एक भयानक, चुनौतीपूर्ण और अस्वीकृति की स्थिति है। संवैधानिक व्यवस्था में यह नौबत क्यों आनी चाहिए? क्या मुख्य चुनाव आयुक्त शारीरिक और मानसिक तौर पर अक्षम हो गए हैं? क्या उनकी साख और निष्पक्षता निर्णायक तौर पर सवालिया अथवा आशंकित हो गई है? क्या मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ भ्रष्टाचार अथवा पक्षपात के आरोप कानूनन साबित हो चुके हैं और अदालत ने फैसला सुना दिया है? विपक्ष की राजनीति के मद्देनजर महाभियोग की नौबत भी पक्षपाती है। विपक्ष के 'वोट चोरी' के आरोप ही पर्याप्त नहीं है कि मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया संसद में शुरू की जाए। किसी भी संवैधानिक संस्था या पदासीन अधिकारी के खिलाफ महाभियोग मोहभंग और अस्वीकृति की पराकाष्ठा है। अहम प्रश्न यह है कि ऐसी नौबत ही क्यों आनी चाहिए? यदि राजनीतिक नेतृत्व और प्रतिनिधित्व का एक ही पक्ष महाभियोग की बात करने लगे तो वह उस संवैधानिक संस्था अथवा अधिकारी के प्रति दुराग्रह की भावना है। निश्चित तौर पर उसकी पृष्ठभूमि में प्रतिशोध का भाव भी निहित होगा। एक पक्ष के पूर्वाग्रहों से संवैधानिक और संसदीय व्यवस्थाएं नहीं चल सकतीं। कुछ उदाहरण सामने हैं। अप्रैल, 2018 में तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश जस्टिस दीपक मिश्रा के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव विपक्ष ने राज्यसभा में दिया। आरोप खोखले, कुत्सित और पूर्वाग्रही थे, लिहाजा ऐसे ही कुछ आधारों पर तत्कालीन सभापति वेंकैया नायडू ने उस प्रस्ताव को खारिज कर दिया। इसी तरह तत्कालीन उपराष्ट्रपति एवं सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ राज्यसभा में ही कांग्रेस नेतृत्व वाले विपक्ष ने महाभियोग का नोटिस दिया। प्रस्ताव में उन्हें पक्षपाती करार दिया गया कि वह विपक्ष को उसका पक्ष रखने को पर्याप्त समय नहीं देते हैं। कमजोर अपरिहार्य आधार पर वह प्रस्ताव भी खारिज हो गया लेकिन इस अंतराल में मीडिया के विभिन्न प्रारूपों में इन संवैधानिक हस्तियों के खिलाफ जो कुछ लिखा या कहा गया, यकीनन उनकी शख्सियत पर कीचड़ उछाले गए, उसकी भरपाई कौन करेगा? अब बारी मुख्य चुनाव आयुक्त की है। सोशल मीडिया पर उन्हें 'केंचुआ' करार दिया जा रहा है। क्या यह उपमा उचित है? बेशक संविधान के अनुच्छेद 324 (5) में मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की व्यवस्था दी गई है लेकिन 'महाभियोग' शब्द का कहीं भी उल्लेख नहीं है। 'वोट चोरी' पर विपक्ष और मुख्य चुनाव आयुक्त के बीच विरोधाभास है। यह स्पष्ट है कि संसद में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग का विपक्षी प्रस्ताव ध्वस्त होना तय है, क्योंकि दो-तिहाई बहुमत उसके पक्ष में नहीं है और बेशक सत्ता पक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त को जरूर बचाएगा।
प्रधानमंत्री और गृहमंत्री वाली चयन समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मुख्य चुनाव आयुक्त के पद पर ज्ञानेश कुमार की नियुक्ति की है। वह पक्ष महाभियोग को सफल क्यों होने देगा? इस यथार्थ के बावजूद और ध्रुवीकरण की राजनीति के मद्देनजर यह नैरेटिव फैलाना शुरू किया गया है कि विपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने पर विमर्श कर रहा है। विपक्षी गठबंधन के अधिकतर दल इसके पक्ष में हैं। राहुल गांधी ने 7 अगस्त को वोटर लिस्ट में गड़बड़ी को लेकर एक घंटे से ज्यादा का प्रेजेंटेशन दिया था। उन्होंने दावा किया कि लोकसभा चुनावों के साथ-साथ महाराष्ट्र और हरियाणा के विधानसभा चुनावों में भी 'वोटर लिस्ट में बड़े पैमाने पर धांधली' की गई है। बिहार में हो रहे मतदाता गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर राहुल गांधी और बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव चुनाव आयोग पर आरोप लगाते रहे हैं। दोनों नेताओं का कहना है कि ये वोट काटने की साजिश है। उस वक्त चुनाव आयोग ने उनके आरोपों को 'गुमराह' करने वाला बताया था। चुनाव आयोग का कहना था कि अगर राहुल गांधी 'वोट चोरी' के अपने दावे को सही मानते हैं तो उन्हें शपथ पत्र पर हस्ताक्षर कर देना चाहिए। हालांकि इसके बाद भी कांग्रेस और विपक्ष चुनाव आयोग पर 'वोट चोरी' का आरोप लगाता रहा। मानसून सत्र के दौरान विपक्ष ने इस पर बहस की मांग भी की। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी के सवालों का जवाब देते हुए उनके आरोपों को बेबुनियाद करार दिया। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा, 'इनकी जांच बिना हलफनामा दाखिल किए नहीं हो सकती है। या तो राहुल गांधी हलफनामा दें या फिर देश से माफी मांगें। उन्हें 7 दिनों के अंदर हलफनामा देना होगा या पूरे देश से माफी मांगनी होगी, नहीं तो समझा जाएगा कि ये आरोप बेबुनियाद हैं।' उन्होंने कहा कि 'वोट चोरी' जैसे शब्दों का इस्तेमाल करोड़ों मतदाताओं और लाखों चुनाव कर्मचारियों की ईमानदारी पर हमला है। महाराष्ट्र को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि समय रहते जब ड्राफ्ट सूची थी तो आपत्ति दर्ज क्यों नहीं कराई और नतीजों के बाद ही गड़बड़ी की बात क्यों सामने लाई गई। लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों पर पलटवार करते हुए चुनाव आयोग ने कहा, लोकसभा चुनाव के लिए 1 करोड़ से अधिक अधिकारी, 10 लाख से अधिक बूथ-स्तरीय एजेंट और 20 लाख से अधिक मतदान एजेंट काम करते हैं। क्या कोई इतने सारे लोगों के सामने और इतनी पारदर्शी प्रक्रिया के साथ वोट चुरा सकता है? दोहरे मतदान के कुछ आरोप लगाए गए थे लेकिन जब हमने सबूत मांगा तो हमें कुछ नहीं मिला। ऐसे आरोपों से न तो चुनाव आयोग डरता है और न ही कोई मतदाता।' 'वोट चोरी' का मामला अभी सर्वोच्च अदालत में है। अदालत के अंतरिम आदेश के मुताबिक, आयोग ने मतदाता सूचियों से काटे गए 65.64 लाख नामों को अपनी वेबसाइटों पर सार्वजनिक कर दिया है। दावा यह भी किया जा रहा है कि नाम काटने के 'कारण' भी बताए गए हैं। अब आयोग ने 'आधार कार्ड' को स्वीकार करना भी शुरू कर दिया है। इस कार्ड के साथ आवेदन स्वीकार किए जा रहे हैं। मतदाताओं की निजता का मुद्दा भी अदालत के विचाराधीन है। विपक्ष को सर्वोच्च अदालत के फैसले का इंतजार करना चाहिए था। देश की जनता सच्चाई का जान समझ रही है इसलिए चुप है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार शास्त्री ने करना ऑफसेट प्रिन्टर्स, ए-9, साउथ पैचतपेला एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया सम्पादक : विजय कुमार शास्त्री, मो. : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2019/[illegible])

बस और ट्रक की टक्कर में एक की मौत 11 घायल

कुशीनगर। बस और ट्रक की टक्कर में ड्राइवर की मौत हो गई है जबकि 11 लोग और घायल हैं जिनका इलाज चल रहा है। सोमवार को थाना कोतवाली हाटा क्षेत्रांतर्गत एनएच-28 के जोलनिया कट पर एक बस और ट्रक में एक्सीडेंट की सूचना प्राप्त हुई। सूचना पर स्थानीय पुलिस नें मौके पर पहुंचकर जांच किया गया। जांच के उपरांत मिल रही जानकारी के अनुसार बस वा0सं0 BR06PB0751 जो दिल्ली से मोतिहारी के लिए जा रही थी जोलनिया कट के पास एक ढाबे पर रुकने के पश्चात बस रॉग साइड से हाइवे पर जा रही थी, जिसे सामने से आ रही एक ट्रक द्वारा टक्कर मार दिया गया। दुर्घटना में 11 यात्री गंभीर रूप से घायल हुए। जिन्हें पुलिस द्वारा इलाज हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बस चालक जिसकी पहचान सुबेश मोहन पुत्र स्व. कपिलदेव सा0 जनपद सिवान बिहार की मृत्यु इलाज के दौरान हो गई है। पुलिस द्वारा मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्यवाही करायी जा रही है। सभी घायलों के परिजनों को सूचित कर दिया गया है।

आरंभिक स्तर पर भाषा एवं गणित में मजबूती प्रदान करना है प्रशिक्षण का उद्देश्य : एआरपी

- पांचवें बैच में शामिल हैं 100 प्राथमिक शिक्षक व शिक्षा मित्र

पडरौना,कुशीनगर ।

निपुण भारत मिशन के अंतर्गत एफएलएन तथा एनसीईआरटी की पाठ्य पुस्तकों पर आधारित प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों व शिक्षा मित्रों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण के पांचवें बैच का प्रारंभ सोमवार से पडरौना बीआरसी पर हुआ । प्रशिक्षण में 100 शिक्षकों व शिक्षामित्र ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण में एआरपी सुबोध शुक्ल ने बताया कि पांच दिवसीय प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य बच्चों को आरंभिक स्तर पर भाषा एवं गणित में मजबूती प्रदान करना है। यह प्रशिक्षण छात्रों के लिए काफी महत्वपूर्ण साबित होगा एआरपी अखिलेश सिंह ने बताया कि मनोयोग से प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत कक्षाकक्ष में प्रयोग कर शिक्षक छात्रों के मानसिक विकास में सहयोग कर सकेंगे। एआरपी नित्यानंद मिश्रा व ऋषिकेश सिंह ने नवीन पाठ्यपुस्तक आधारित शिक्षक प्रशिक्षण के उद्देश्य एवं परिचय, अकादमिक वर्ष 2025-26 में पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका एवं अन्य शिक्षण अधिगम सामग्रियों के उपयोग की रणनीति, एनसीईआरटी आधारित नवीन पाठ्यपुस्तकों को समझने, पाठ्यपुस्तक आधारित कार्यपुस्तिका की समग्र समझ, पठन अभ्यास एवं प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास को समझने, अकादमिक वर्ष 2025-26 के शिक्षक संदर्शिका की समग्र समझ पर विस्तृत चर्चा की। प्रशिक्षण को प्रथम संस्था की डीसी सरिता व प्रतिमा सक्सेना ने भी संबोधित किया। इस दौरान राजेश भारती, अभिषेक शुक्ल, निधि सिंह, राजेश्वर शुक्ल, नेहा साहू, आशुतोष व्यास ,सीमा आर्य, दीपशिखा विश्वकर्मा, अविनाश कुमार पंकज ,रीमा यादव आदि मौजूद रहे।

वैनायकी सिद्धि विनायक श्रीगणेश उत्सव (गणेश चतुर्थी)आज

कुशीनगर। श्री सिद्धिविनायक गणेश उत्सव आज मनाया जाएगा। महर्षि पाराशर ज्योतिष संस्थान ट्रस्ट के ज्योतिषाचार्य पं.राकेश पाण्डेय ने बताया कि भाद्रपद शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेश चतुर्थी मनाई जाती है। इस बार भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी तिथि दिवा 02:06 तक है व आज बुधवार का दिन,हस्त नक्षत्र प्रातः06:00 बजे तक है पश्चात् चित्रा नक्षत्र आज के दिन आनन्द नामक योग मिल रहा है। जो अत्यन्त शुभप्रद है । पूजन का शुभ मुहूर्त दिवा 11:38 से 01:55 तक विशेष मुहूर्त है ।। श्रीगणेश चतुर्थी के दिन गणपति बप्पा की मण्डप व घरों में स्थापना की जाती है। ज्योतिषाचार्य पं.राकेश पाण्डेय बताते है कि घर के ईशान कोण में भगवान गणेश की मूर्ति की स्थापना करना शुभ माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार घर में रखी सभी गणेशजी की तस्वीरें पूर्व-उत्तर दिशा में होनी चाहिए। श्री गणेश को विघ्नहर्ता कहते हैं। वह अपने भक्तों के सभी दुखों और कष्टों को हर लेते हैं। सर्व प्रथम गणेश जी की मूर्ति किसी चौकी पर पीला आसान बिछा कर उस पर स्थापन करे,सर्व प्रथम श्रीविघ्न हर्ता गणेश जी का ध्यान कर षोडशोपचार (जल, पंचामृत, वस्त्र, जनेऊ, चन्दन, अक्षत, पुष्प, माला, सिन्दूर, रोली, अबीर, हल्दी, गुलाल, अभ्रक, दूर्वा वेलपत्र, धूप, दीप आदि के पश्चात लड्डू का भोग लगाकर घी की आरती करें। श्रीसंकट नाशन श्री गणेश स्त्रोत का पाठ व गणेश सहस्त्रार्चन करना चाहिए व भगवान की स्तुति करते हुए प्रार्थना करना चाहिए जिससे समस्त विघ्नों को दूर करते हुए आपके समस्त मनोरथ को पूर्ण करते है।

मरीज भटकें नहीं, अस्पतालों में जीवनरक्षक दवाएँ हर हाल में रहें उपलब्धः जिलाधिकारी

देवरिया।

जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि स्नेक बाइट और रेबीज़ जैसी जीवनरक्षक दवाएँ जिले के प्रत्येक सीएचसी व पीएचसी पर हर समय उपलब्ध रहनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि दवाओं की कमी या चिकित्सकों की अनुपस्थिति की शिकायत मिलते ही जिम्मेदारों पर कार्रवाई होगी। मंगलवार को मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय स्थित धनवंतरि सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति शासी निकाय की बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की गहन समीक्षा की।

एमडीए अभियान से लेकर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, टीकाकरण और कुपोषण उन्मूलन तक सभी बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा हुई। डीएम ने कहा कि प्रसव संबंधी सेवाओं की स्थिति फिलहाल संतोषजनक है, लेकिन अस्पताल में आने वाले सामान्य मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, यह सुनिश्चित करना जरूरी है।

उन्होंने निर्देश दिया कि चिकित्सक समय से अस्पताल पहुँचें और अपनी ड्यूटी पूरी ईमानदारी से निभाएँ। साथ ही मरीजों को आवश्यक दवाएँ हर हाल में दी जाएँ। बैठक में आयुष्मान भारत योजना, आभा आईडी की प्रगति, जिला क्षय रोग समिति, संचारी रोग नियंत्रण अभियान और अस्पतालों में उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं जैसे बैठने की व्यवस्था, शौचालय, पेयजल, व्हीलचेयर आदि की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि अस्पतालों की स्वच्छता और सुविधाएँ मरीजों की प्राथमिक आवश्यकता हैं, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि गाँव से लेकर शहर तक हर स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं को मज़बूत बनाया जाए। जीवनरक्षक दवाएँ सिर्फ दवाखानों तक सीमित न रहें, बल्कि उनकी उपलब्धता हर मरीज को वास्तविक रूप से महसूस हो। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अनिल कुमार गुप्ता, एसीएमओ (आरसीएच) डॉ. अजय शाही, डॉ. आर.के. श्रीवास्तव, डॉ. एस.के. सिन्हा, डीपीएम पूनम, डीसीपीएम राजेश गुप्ता, डीएमसीपी मिश्रा सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

आरटीसी प्रशिक्षुओं ने सीखी तनाव प्रबंधन और सकारात्मक सोच की राह

पुलिस लाइन में विशेष ध्यान शिविर

देवरिया।

पुलिस सेवा के कठिन दायित्वों के बीच मानसिक संतुलन और शारीरिक फिटनेस बनाए रखने के उद्देश्य से मंगलवार को पुलिस लाइन परिसर में ब्रह्मा कुमारी संस्था के तत्वावधान में विशेष ध्यान एवं योग शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे सभी आरटीसी प्रशिक्षु एवं अधिकारीगण मौजूद रहे। शिविर का संचालन ब्रह्मा कुमारी संस्था से आई प्रशिक्षिकाएँ ड्ड अनिता, श्रद्धा और अंजली ने किया। उन्होंने प्रशिक्षुओं को योगासन, प्राणायाम और विविध ध्यान विधियों का अभ्यास कराया। प्रशिक्षिकाओं ने बताया कि मानसिक एकाग्रता, तनाव प्रबंधन और सकारात्मक सोच विकसित करने के लिए ध्यान और योग सबसे सशक्त साधन हैं।

उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी अपनी जिम्मेदारियों के दौरान निरंतर दबाव और तनाव की स्थिति में रहते हैं, ऐसे में नियमित योग और ध्यान उनके लिए मानसिक शांति और आत्मबल बनाए रखने का प्रभावी माध्यम हो सकता है। शिविर में आसान और व्यवहारिक अभ्यासों पर विशेष जोर दिया गया, ताकि इन्हें प्रशिक्षु अपनी ड्यूटी और दैनिक जीवन का हिस्सा बना सकें। इस अवसर पर मौजूद अधिकारियों ने कहा कि ऐसे आयोजन से पुलिस बल में कार्य क्षमता और आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। मानसिक शांति और शारीरिक फिटनेस के बीच तालमेल से पुलिसकर्मी न केवल बेहतर ढंग से अपनी सेवाएँ दे सकते हैं बल्कि जनता के साथ संवेदनशीलता और सकारात्मक दृष्टिकोण भी बनाए रख सकते हैं।

शिविर के दौरान प्रशिक्षुओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और संकल्प लिया कि वे नियमित रूप से योग और ध्यान को अपने जीवन का हिस्सा बनाएंगे। कार्यक्रम में क्षेत्राधिकारी विनी सिंह, क्षेत्राधिकारी दीपशिखा वर्मा, प्रतिसार निरीक्षक विजय राज सिंह सहित कई अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

पशु प्रबंधन को लेकर जिलाधिकारी को सौपा ज्ञापन

पडरौना कुशीनगर । नगर में बेसहारा पशुओं(कुत्ता, बंदर और गाय माता)की बढ़ती संख्या और दुर्घटनाओं की संभावनाओं को देखते हुए मारवाड़ी युवा मंच चेतना महिला शाखा पडरौना की अध्यक्ष मीनू जिंदल ने सदस्याओं के साथ कुशीनगर जिलाधिकारी श्री महेंद्र सिंह तंवर को ज्ञापन देकर पशुओं के प्रबंधन और सुरक्षित आश्रय की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। ज्ञापन के माध्यम से कहा की सुबह मॉर्निंग वॉक के समय महिलाओं को बेसहारा पशुओं (कुत्ते और बंदर) का रोज सामना करना पड़ता है। कई महिलाओं ने सुबह की सैर इसी डर की वजह से बंद कर दी। मेन ,रोड धर्मशाला रोड आदि सड़कों पर बेसहारा पशुओं तथा गोवंश की बढ़ती संख्या से दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ती जा रही है। दिन में तो वाहन चालक किसी तरह बच निकलते हैं लेकिन रात के समय प्रकाश की कमी और अचानक सामने आ जाने वाले पशुओं के कारण गंभीर हादसों का खतरा बना रहता है। मंच अध्यक्ष मीनू जिंदल ने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल समस्या बताना नहीं बल्कि समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाने के लिए प्रशासन को प्रेरित करना है। प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा ही प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसके लिए हम सबको मिलकर काम करना होगा ज्ञापन के समय कोषाध्यक्ष प्रिया टिबड़ेवाल पदमा अग्रवाल आदि उपस्थित रहीं।

चोरी की 10 मोटरसाइकिल बरामद, तीन वाहन चोर पुलिस की गिरफ्त में

कुशीनगर।

जनपद की पटहेरवां पुलिस ने अन्तर्राज्यीय वाहन चोरी गैंग का पर्दाफाश करते हुए चोरी के 10 मोटरसाइकिल जिसकी अनुमानित कीमत करीब 06 लाख रुपये आंकी गई है के साथ 03 शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। जनपद पुलिस के द्वारा प्रेस नोट जारी कर बताया गया है कि पुलिस अधीक्षक कुशीनगर संतोष कुमार मिश्रा के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक कुशीनगर निवेश कटियार के पर्वेक्षण व क्षेत्राधिकारी तमकुहीराज कुशीनगर राकेश प्रताप सिंह के नेतृत्व मे अपराध एवं अपराधियों के विरुध्द चलाये जा रहे अभियान के क्रम में सोमवार को थाना पटहेरवा पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान थाना पटहेरवा क्षेत्र से तीन अंतर्राज्यीय वाहन चोरों अमरेश गिरि पुत्र श्रीराम गिरी साकिन कोईसा खुर्द थाना कटेया जनपद गोपालगंज बिहार,महेश कुमार पुत्र दशरथ शाह साकिन बनकटा थाना गोपालपुर जनपद गोपालगंज बिहार, जाहिद उर्फ गुच्चक पुत्र साहब हुसैन साकिन वार्ड नं0 6 फाजिलनगर थाना पटहेरवा जनपद कुशीनगर को गिरफ्तार किया। अभियुक्तों के कब्जे से विभिन्न कंपनियों की 10 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की गई है। गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर थाना पटहेरवा में मु0अ0सं0 219/2025, धारा 317(2), 317(4), 317(5), 341(2) बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। अभियुक्तों ने पूछताछ में बताया कि उनका एक संगठित गिरोह है, जो उत्तर प्रदेश और बिहार राज्यों से मोटरसाइकिल चोरी की घटना को अंजाम देते है। ये लोग सुनियोजित तरीके से काम करते है।

चोरी करते समय एक अभियुक्त निगरानी रखता है, जबकि अन्य ताले तोड़ने और वाहन को ले जाने का काम करते हैं। चोरी की गई मोटरसाइकिलों को तुरंत बेचने के बजाय ये लोग वाहनों को कुछ दिनों तक छिपाकर रखते हैं ताकि पुलिस की तलाशी और स्थानीय जांच से बचा जा सके। कुछ समय बाद, वाहनों को उनके नेटवर्क के माध्यम से बिहार और उत्तर प्रदेश के विभिन्न बाजारों ले जाकर बेच देते है। पुलिस टीम अभियुक्तों के पूछताछ आदि के आधार पर घटना में संलिप्त अन्य लोगों की तलाश जारी है। मिली जानकारी के अनुसार अभियुक्त अमरेश गिरि का लम्बा अपराधिक इतिहास है। विभिन्न थानों में विभिन्न संगीन धाराओं में लगभग आधा दर्जन से अधिक मुकदमे पंजीकृत है। इसी प्रकार अभियुक्त जाहिद उर्फ गुच्चक का अपराधिक भी इतिहास है विभिन्न थानों में इसके विरुद्ध विचार से अधिक मुकदमे विभिन्न संगीन धाराओं में पंजीकृत हैं। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष विनय कुमार मिश्रा थाना पटहेरवा जनपद कुशीनगर, उ0नि0 मनोज कुमार वर्मा (चौकी प्रभारी फाजिलनगर) थाना पटहेरवा जनपद कुशीनगर, उ0नि0 अनुराग यादव, उ0नि0 सच्चिदानन्द यादव थाना पटहेरवा जनपद कुशीनगर एवं अन्य शामिल रहे।

महंगाई एक्सप्रेस पर सवार मेट्रो, यात्रियों ने कोसा: कसा तंज, कहा- ऐसा लग रहा टिकट नहीं ईएमआई चुका रहे

नई दिल्ली। मेट्रो का किराया देखकर लगा जैसे टिकट नहीं, लोन की ईएमआई भरनी है! सोमवार सुबह एक गुस्साए यात्री का यह तंज सोशल मीडिया पर छा गया। कई यात्रियों ने इसे मजाक और अधिकतर ने इसे अपनी पोस्ट पर साझा किया। किराया बढ़ोतरी से नाराज दफ्तर जाने वाले कामकाजी लोगों और कॉलेज के छात्रों की नाराजगी साफ नजर आई। महंगाई की मार झेल रही जनता ने कहा कि अब मेट्रो में सफर करना भारी पड़ने वाला है। सोशल मीडिया पर जैसे ही खबर फैली, एक्स पर मीम्स और तानों की बाढ़ आ गई। किसी ने मजाक उड़ाते हुए लिखा मेट्रो कार्ड अब ब्लैक कार्ड जैसा हो गया है, जिसे जेब में रखने भर से रुतबा दिखे, तो एक और यूजर ने चुटकी ली कि किराया देखकर लगा कि अब तो मेट्रो से सफर करने पर पासपोर्ट भी लगवाना पड़ेगा।

मेट्रो किराया वृद्धि को कांग्रेस ने जनता की जेब पर बताया डाका

मेट्रो में किराया वृद्धि के फैसले के विरोध में कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर हमला बोला है। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने इसे जनविरोधी और गरीब विरोधी कदम करार देते हुए तुरंत वापस लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार जनता की जरूरतों के बजाय हमेशा उसके

खिलाफ फैसले ले रही है। देवेंद्र यादव ने बताया कि दिल्ली मेट्रो ने 25 अगस्त से किराये में एक से चार रुपये तक की वृद्धि का फैसला उन गरीब और मध्यम वर्गीय यात्रियों पर सीधा बोझ डालेगा जो पहले से ही महंगाई की मार झेल रहे हैं। ब्यूरो कई यूजर ने मेट्रो प्रबंधन को कहा कि माह के अंतिम सोमवार की सुबह सबसे पहले किराया बढ़ने को लेकर बताया गया और फिर उसी दिन उसे लागू भी कर दिया गया है। कम से कम इसे लागू करने से एक सप्ताह पहले सूचना भी तो देनी चाहिए। एक्स पर एक यूजर ने कहा कि किराया तो बढ़ा दिया, पैसा भी खूब कमा रहे हैं लेकिन यात्री जानवरों की तरह यात्रा करने के लिए मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि मेट्रो में रोजाना यात्रियों की संख्या लाखों में है, लेकिन ट्रेन के डिब्बे अब तक सिर्फ चार कैसे, कैसे होगा जनता का उद्धार। एक छात्र ने लिखा क्लास की फीस अलग, मेट्रो का किराया अलग अब तो बंक मारना ही सबसे सस्ता ऑप्शन है। आम राय यही है कि पहले जहां मेट्रो गरीब और अमीर सबकी सवारी कही जाती थी, अब धीरे-धीरे यह सिर्फ अमीरों की सवारी बनती जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा का यह कदम छात्रों समेत लाखों दिल्लीवासियों पर आर्थिक बोझ डालने वाला है।

रोजगार महाकुंभ का शुभारंभ

पहले गांव के गांव करते थे पलायन, अब प्रदेश में ही मिल रही नौकरी- सीएम योगी

लखनऊ।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि युवा अपार ऊर्जा का स्रोत हैं। दुनिया में सबसे अधिक युवा आबादी भारत में और भारत में भी उत्तर प्रदेश में है। यूपी के युवाओं ने अवसर मिलने पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है इसलिए आज यूपी के युवाओं की मांग दुनिया भर में है। आज रोजगार देने वाली कम्पनियां और युवा एक मंच पर हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में तीन दिवसीय रोजगार महाकुंभ का शुभारंभ करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बीते आठ वर्षों में किए गए कार्यों का ही परिणाम है कि जहां पहले गांव के गांव रोजगार के लिए पलायन कर जाते थे आज उन्हें प्रदेश में ही रोजगार मिल रहा है। गांव रोजगार का केंद्र बन रहे हैं।

प्रदेश में जो इकाइयां इंस्पेक्टर राज और अन्य दखल के कारण बंद हो गईं थी आज उनकी संख्या 96 लाख हो गई है। लघु और कुटीर उद्योग की ताकत का एहसास कोरोना काल में हुआ। वन डिस्ट्रिक वन प्रोडक्ट और लघु व कुटीर उद्योगों की ताकत का एहसास प्रदेश ने कोरोना के दौर में किया। कोरोना के दौरान करीब 40 लाख मजदूर प्रदेश वापस लौटे। ओडीओपी व एमएसएमई की मदद से उन्हें रोजगार उपलब्ध करवाया गया। आज यूपी यूपी पंजीकृत इकाइयों को पांच लाख बीमा कवर देने वाला देश का पहला राज्य है। आज लोकल स्तर की इकाइयां लोगों को रोजगार दे रही हैं। यही आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश है। जिससे विकसित उत्तर प्रदेश और विकसित भारत की नींव पड़ेगी। हमने विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना की शुरुआत की। हमने हर युवा को ट्रेनिंग दी और सस्ते में लोन दिया। सीएम युवा उद्यमी योजना से कोई भी युवा अपने को उद्यमी के रूप में स्थापित कर सकता है। यह सब परिवर्तन बीते आठ वर्षों में हुए। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में युवाओं को सरकारी नौकरी भी दी जा रही है। हमने पुलिस ने 2.19 लाख भर्तियां की। 1.56 लाख शिक्षकों की भर्ती की और सभी विभागों को जोड़ लें तो 8.5 लाख लोगों को सरकारी नौकरियां दीं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्रम मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि यूपी में आजादी के बाद 2017 तक जितने कारखाने रजिस्टर नहीं हुए उससे कहीं ज्यादा 2017 के बाद सीएम योगी के शासनकाल में पंजीकृत हुए हैं। उन्होंने कहा कि योगी सरकार युवाओं को रोजगार देने के लिए संकल्पित है। महाकुंभ में देश की बहुचर्चित कंपनियों में करीब 50 हजार युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य है। आठवीं पास से परास्नातक और डिप्लोमा इंजीनियरिंग तक की शैक्षिक योग्यता रखने वाले युवा इस अवसर का लाभ ले सकते हैं। सेवायोजन विभाग की निदेशक नेहा प्रकाश ने बताया कि देश-विदेश की 100 से अधिक नामी कंपनियों के प्रतिनिधि इसमें हिस्सा लेंगे। रोजगार महाकुंभ में तीन मंचों के माध्यम से युवाओं को उनकी योग्यतानुसार, शहर व प्रदेश के साथ ही विदेशों में भी रोजगार के अवसर मिलेंगे।

रोजगार कॉन्क्लेव में विशेषज्ञों के साथ युवाओं की सीधी बातचीत होगी। कंपनियां ऑन-स्पॉट इंटरव्यू और प्लेसमेंट ड्राइव करेंगी। प्रदर्शनी के माध्यम से युवाओं को प्रदेश की प्रगति, नई औद्योगिक नीतियों और कौशल विकास मॉडल की झलक मिलेगी।

डोडा में बादल फटने से तबाही, चार लोगो की मौत, 10वीं-11वीं की परीक्षा स्थगित

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में जोरदार बारिश जारी है. इस बीच मंगलवार (26 अगस्त) को डोडा में बादल फटने से तबाही आई. हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और 15 घरों को नुकसान हुआ. इलाके में बचाव अभियान चलाया जा रहा है. डोडा के डीसी हरविंदर सिंह ने इसकी पुष्टि की है. प्रभावित क्षेत्र सड़क मार्ग से ठीक नहीं है और वहां तक पहुंचने के लिए 40-50 मिनट का पैदल सफर करना पड़ रहा है, जिससे बचाव अभियान की चुनौतियां और बढ़ गई है. 27 अगस्त को होने वाली कक्षा 10वीं और 11वीं को सभी परीक्षाएं स्थगित कर दी गई है. जम्मू एंड कश्मीर बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन ने कहा कि नए डेट की जानकारी अलग से दी जाएगी. उन्होंने बताया कि तीन दिन से लगातार बारिश जारी है, बीती रात बहुत बारिश हुई. दो जगह चास्वा और मरम्मत में बादल फटा. तीन फुट ब्रिज डैमेज हुआ है. चिनाब नदी खतरे से ऊपर है. डोडा के कमिश्नर ने एक्स पर कहा कि लगातार बारिश, भूस्खलन और पत्थरों के गिरने के कारण जंगलगवार नाले पर एनएच-244 (डोडा-किश्तवाड़) पर यातायात पूरी तरह से ठप हो गया है, क्योंकि सड़क का एक हिस्सा बह गया है. लोगों से अपील है कि बहाली तक यात्रा से बचें. इस बीच सीएम उमर अब्दुल्ला ने समीक्षा बैठक की. उन्होंने कहा कि हालात गंभीर है, खुद नजर बनाए हुए है. वहीं केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह और उधमपुर से बीजेपी के सांसद जितेंद्र सिंह ने कहा कि अभी-अभी डोडा के डीसी हरविंदर सिंह से बात की. उनके अनुसार, भलेसा के चस्वा इलाके में अचानक बाढ़ आने की सूचना मिली है. अभी तक इस अचानक आई बाढ़ से किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है. प्रशासन स्थिति पर नजर रखे हुए है और मेरे कार्यालय को नियमित रूप से अपडेट दिए जा रहे है. भारी बारिश को देखते हुए आपात स्थिति से निपटने के लिए जम्मू क्षेत्र के प्रशासन ने हेल्पलाइन नंबर जारी किए है.

खराब मौसम के चलते माता वैष्णो देवी की यात्रा रोक दी गई है. मौसम विभाग ने कहा कि जम्मू क्षेत्र के लिए 26 अगस्त 2025 को रेड वार्निंग जारी की गई है. कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है.

पीएम मोदी ने गुजरात में ईवी प्लांट को दिखाई हरी झंडी, 100 देशों को निर्यात होंगे वाहन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भारत की आत्मनिर्भरता और हरित गतिशीलता के केंद्र बनने की दिशा में आज एक विशेष दिन है.

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार सुबह गुजरात के हंसलपुर में मारुति सुजुकी के पहले वैश्विक बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन 'ई-विटारा' को हरी झंडी दिखाई. इसके साथ ही 100 से अधिक देशों के लिए इसके निर्यात की औपचारिक शुरुआत हो गई है. इससे पहले, प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा कि यह ऐतिहासिक पहल भारत के हरित परिवहन के वैश्विक केंद्र के रूप में उभरने को दर्शाती है और साथ ही मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के प्रति प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाती है. इस उपलब्धि के साथ, भारत अब सुजुकी के इलेक्ट्रिक वाहनों का वैश्विक विनिर्माण केंद्र बन जाएगा. Maruti E-Vitara को आधुनिक तकनीक और प्रीमियम सुविधाओं से लैस किया गया है. इसमें पैनोरमिक सनरूफ दी गई है, जो केबिन को खुला और हवादार बनाएगी. गर्मियों के लिए वेंटिलेटेड फ्रंट सीटें और ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल ड्राइविंग को और आरामदायक बनाएंगे. सुरक्षा के लिहाज से E-Vitara किसी से कम नहीं है. इसमें 7 एयरबैग, 360-डिग्री कैमरा, ऑटो-होल्ड के साथ इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग ब्रेक और लेवल 2 ADAS जैसे फीचर्स दिए गए हैं. ये फीचर्स न केवल ड्राइवर बल्कि पैसेंजर की भी सुरक्षा को और मजबूत बनाते हैं.

प्रियंका गांधी बोलीं-भाजपा देश में वोट चोरी की साजिश रच रही

गरीब जनता का हक छीनने नहीं देंगे; मधुबनी में वोटर अधिकार यात्रा

पटना। बिहार में मतदाता अधिकार यात्रा के 10वें दिन प्रियंका गांधी भी अभियान में शामिल हुईं। यात्रा सुबह सुपौल से शुरू हुई। काफिला एनएच-27 से कोसी महासेतु पुल पार करते हुए मधुबनी पहुँचा। वाड्रा और गांधी, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, राजद नेता तेजस्वी यादव और इंडिया ब्लॉक के अन्य

बिहार में वोटर अधिकार यात्रा! राहुल-प्रियंका गांधी संग तेजस्वी का शक्ति प्रदर्शन, चुनावी हुंकार!

प्रतिनिधियों के साथ, एक एसयूवी की छत पर बैठे देखे गए, जो धीमी गति से चल रही थी, और वे उत्साही भीड़ की ओर हाथ हिला रहे थे। एक दिन के विराम के बाद मंगलवार को यात्रा पुनः शुरू हुई। प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा कि जनता का विश्वास खो चुकी भाजपा देशभर में वोट चोरी की साजिश रच रही है। बिहार में भाजपा-जदयू सरकार महंगाई, बेरोजगारी, पलायन, आर्थिक संकट, हर मोर्चे पर विफल रही है, फिर भी जनता के वोट चुराकर सत्ता में बने रहना चाहती है। उन्होंने आगे कहा कि लाखों गरीब और वंचित नागरिकों को उनके वोट के अधिकार से वंचित किया जा रहा है। संविधान ने हर भारतीय को वोट का अधिकार दिया है। कोई भी ताकत इस अधिकार को छीन नहीं सकती।

कभी उम्मीद नहीं थी कि प्रधानमंत्री हमें चोर कहेंगे

पीएम मोदी की टिप्पणी पर भड़की सीएम ममता बनर्जी

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को जबरदस्त हमला बोला है। ममता बनर्जी ने पीएम मोदी की हालिया टिप्पणियों का हवाला देते हुए मंगलवार को कहा कि उन्हें कभी उम्मीद नहीं थी कि प्रधानमंत्री उनकी कुर्सी और पूरे राज्य का अपमान करेंगे और लोगों को चोर कहेंगे। पूर्वी बर्धमान जिले में आयोजित एक सरकारी कार्यक्रम में बोलते हुए ममता बनर्जी ने मोदी की टिप्पणियों को पश्चिम बंगाल के लोगों का अपमान बताया और केंद्रीय धन को रोके रखने के लिए उनकी कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से रोके जा रहे धन के चलते राज्य के खजाने पर भारी बोझ पड़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री को मेरी कुर्सी का उतना ही सम्मान करना चाहिए जितना मैं उनकी कुर्सी का करती हूं। मुझे कभी उम्मीद नहीं थी कि वे पश्चिम बंगाल के लोगों को चोर कहेंगे। बनर्जी ने दावा किया, सच तो यह है कि उन्होंने उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और बिहार की तथाकथित डबल इंजन वाली भाजपा सरकारों के कामकाज पर आंखें मूंद ली हैं, जहां भ्रष्टाचार अपने चरम पर है।

फिर खतरे के निशान के करीब पहुंचा यमुना का जल स्तर, बाढ़ का है खतरा

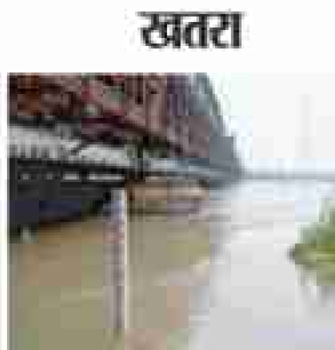

नई दिल्ली।

दिल्ली में यमुना नदी खतरे के निशान के पास बह रही है। दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर पुराने रेलवे पुल पर 204.76 मीटर दर्ज हुआ, जो खतरे के निशान 205.33 मीटर से थोड़ा नीचे है। हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से पानी छोड़े जाने और लगातार बारिश के कारण जलस्तर बढ़ रहा है। दिल्ली सरकार ने बाढ़ से निपटने के लिए पहले से ही अलर्ट जारी किया हुआ है।

ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है... सीडीएस चौहान का दो टूक, शांति चाहिए तो युद्ध के लिए तैयार रहो

नई दिल्ली। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि भारत शांति के पक्ष में है, लेकिन उन्होंने इसे शांतिवाद समझने की भूल न करने की चेतावनी देते हुए कहा कि शक्ति के बिना शांति काल्पनिक है। महू स्थित आर्मी वॉर कॉलेज में दो दिवसीय रण संवाद सम्मेलन को संबोधित करते हुए जनरल अनिल चौहान ने पाकिस्तान को परोक्ष चेतावनी देते हुए कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत की सैन्य प्रतिक्रिया ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है। अनिल चौहान ने सम्मेलन में कहा कि भारत हमेशा शांति के पक्ष में रहा है। हम एक शांतिप्रिय राष्ट्र हैं, लेकिन गलतफहमी में न रहें, हम शांतिवादी नहीं हो सकते। मेरा मानना है कि शक्ति के बिना शांति एक काल्पनिक कल्पना है।

मैं एक लैटिन उद्धरण कहना चाहूंगा जिसका अनुवाद है, अगर आप शांति चाहते हैं, तो युद्ध के लिए तैयार रहें। 26-27 अगस्त को आयोजित होने वाले इस सेमिनार में सेवारत सैन्य पेशेवरों को रणनीतिक वार्ता के अग्रभाग में लाया जाएगा और अंतिम दिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पूर्ण संबोधन देंगे। भारत के हालिया सैन्य अभियानों का जिक्र करते हुए जनरल चौहान ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर एक आधुनिक संघर्ष था जिससे हमने कई सबक सीखे हैं, और उनमें से ज्यादातर पर काम चल रहा है, कुछ पर काम हो भी चुका है। ऑपरेशन अभी भी जारी है। हम यहाँ ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा करने नहीं आए हैं। हम यहाँ ऑपरेशन सिंदूर से आगे की किसी और बात पर चर्चा करने आए हैं। सीडीएस ने चार प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डाला, जिनके बारे में उनका मानना है कि वे भविष्य के संघर्षों को परिभाषित करेंगी। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि यह विशेष संगोष्ठी, तकनीक के अलावा, भविष्य में किस प्रकार के युद्ध होंगे और उनकी पृष्ठभूमि क्या होगी, इस पर भी ध्यान केंद्रित करेगी। उन्होंने कहा कि मेरे विचार से, चार आवश्यक प्रवृत्तियाँ हैं जिनकी मैं भविष्यवाणी करता हूँ। पहली, राष्ट्रों और सरकारों में बल प्रयोग की प्रवृत्ति बढ़ रही है, और ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि आज राजनीतिक उद्देश्य अल्पकालिक संघर्षों से प्राप्त किए जा सकते हैं।

सीएम नीतीश ने पटना को दिया बड़ा तोहफा, 341.43 करोड़ की विभिन्न योजनाओं का किया शिलान्यास

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को पटना जिला अंतर्गत प्रगति यात्रा के दौरान किए गए वादों को पूरा करते हुए पटना शहरी क्षेत्र (पूर्वी) के लिए 341.43 करोड़ रुपये लागत की विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास किया। नीतीश कुमार ने पटना शहरी क्षेत्र (पूर्वी) के लिए भद्र घाट, पटना सिटी में आयोजित कार्यक्रम स्थल से 341.43 करोड़ रुपये लागत की विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास किया। इस अवसर पर कुमार ने कहा कि बहुत खुशी की बात है कि चार घोषणाओं से संबंधित पांच योजनाओं का शिलान्यास आज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के क्रियान्वयन से पटना सिटी के स्थानीय लोगों तथा प्रत्येक वर्ष बड़ी संख्या में पटना साहिब आने वाले सिख श्रद्धालुओं को काफी सुविधा होगी। इन योजनाओं के क्रियान्वयन से पटना शहरी क्षेत्र (पूर्वी) के आम लोगों को काफी फायदा होगा तथा बेहतर जनसुविधाएं मिलेंगी। मुख्यमंत्री नीतीश ने भद्र घाट, में आयोजित कार्यक्रम स्थल से 158.40 करोड़ रुपये लागत की गायघाट - कंगन घाट-दीदारगंज तक (लंबाई 7.80 कि.मी.) गंगा के किनारे पुराने पथ के चौड़ीकरण, निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे पटनासिटी क्षेत्र के लोगों को आवागमन में सुविधा होगी। ट्रैफिक जाम की समस्या से लोगों को निजात मिलेगी। साथ ही छठ महापर्व और विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों हेतु गंगा नदी तक पहुंचने में सहूलियत होगी। मुख्यमंत्री ने भद्र घाट में आयोजित कार्यक्रम स्थल से 61.95 करोड़ रुपए की लागत से गाय घाट में जे.पी. गंगा पथ से सटे नदी की ओर डाउन रैंप के निर्माण कार्य का कार्यारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना के पूर्ण होने पर जे.पी गंगा पथ से गाय घाट उतरने में सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि जे.पी. गंगा पथ गाय घाट में यू-टर्न व्यवस्था के कारण निरंतर जाम की समस्या बनी रहती है, जिससे कार्य पूर्ण होने पर मुक्ति मिल जाएगी। यातायात सुगम होगा और सड़क सुरक्षा बेहतर होगी।

सीएम योगी और बीजेपी विधायक शलभ मणि को मिली जान से मारने की धमकी, जांच में जुटी साइबर सेल

(वेबवार्ता)

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले से एक गंभीर और सनसनीखेज मामला सामने आया है। देवरिया सदर से विधायक डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी दी गई है। यह धमकी एमडी सेराज नाम की ईमेल आईडी से भेजी गई है। पुलिस को जैसे ही इसकी जानकारी मिली, जांच शुरू कर दी गई है और मामला साइबर सेल को सौंप दिया गया है। मामला देवरिया के गोरखपुर रोड पर बने एक मजार (दरगाह) से जुड़ा है। विधायक शलभ मणि त्रिपाठी ने पहले शिकायत की थी कि यह मजार रेलवे के ओवरब्रिज के पास बनी है और हर साल इसका दायरा अवैध रूप से बढ़ता जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि बंजर जमीन और नेशनल हाइवे पर यह मजार कैसे बनी? इसका नक्शा किसने पास किया? क्या रेलवे ब्रिज के नीचे निर्माण की इजाजत दी जा सकती है? इसी मुद्दे को लेकर विधायक जून 2025 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी मिले थे और उन्होंने खुद मजार के विस्तार पर आपत्ति जताई थी। मजार को छूकर देख लो, सदर विधायक को गोली मार देंगे, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हाल भी बुरा कर देंगे। यह धमकी सोशल मीडिया और एक वेबसाइट के कमेंट बॉक्स में पोस्ट की गई थी, जिसके बाद मामला तेजी से वायरल हो गया।

निजी हमले करना आरएसएस की शैली है, राहुल गांधी बोले- महात्मा गांधी के साथ भी यही किया

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दावा किया है कि लोगों पर निजी हमले करना राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की शैली है और उसने महात्मा गांधी के खिलाफ भी झूठ बोला था और उन्हें बदनाम किया था। राहुल गांधी ने अपनी 'वोटर अधिकार यात्रा के अररिया पहुंचने पर महागठबंधन के नेताओं के साथ 'चाय-पकौड़े पर चर्चा के दौरान यह दावा किया। बीते रविवार को यह यात्रा अररिया में थी। कांग्रेस नेता ने इस बातचीत का वीडियो मंगलवार को अपने 'एक्स हैंडल पर साझा किया। उन्होंने कहा, ''यात्रा, वोट चोरी और गांधी जी - गठबंधन के साथियों के साथ गरमा-गरम चाय-पकौड़ों पर उतनी ही दिलचस्प राजनीतिक चर्चा हुई। इस चर्चा में राहुल गांधी के साथ राजद नेता तेजस्वी यादव, विकासशील इंसान

पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश कुमार राम और कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद तथा महात्मा गांधी के पौत्र तुषार गांधी शामिल थे। तुषार गांधी ने कहा, ''पहले तीखी बहसें होती थी, लेकिन व्यक्तिगत रूप से अपशब्द नहीं कहे जाते थे, अब लगता है कि इसे जायज ठहरा दिया गया है। इस पर राहुल गांधी ने दावा किया, ''आरएसएस का तरीका है कि लोगों को निजी तौर पर निशाना बनाया जाए। वो गांधी जी के साथ यही किया करते थे। लोगों को पता नहीं है, याद नहीं है। आरएसएस ने गांधी जी के बारे में कितनी गालियां दीं, कितना बदनाम किया, कितना उनके बारे में झूठ बोला। यह उनकी शैली है। तेजस्वी यादव ने कहा, '' कर्पूरी (ठाकुर) जी के बारे में कितनी गंदी गंदी गालियां दी गईं और फिर उन्हें 'भारत रत्न देना पड़ा। उन्होंने दावा किया, ''लोग पहले कहते थे कि वोट देते हैं, पता नहीं चलता कि वोट कहां चला गया। अब बात तथ्यों के साथ रखी जा रही है, तो लोगों को लग रहा है कि चोरी हो रही है। लोगों को यह लगने लगा है कि दोनों मिले हुए हैं और मोदी जी जो कह रहे हैं, वो निर्वाचन आयोग कर रहा है। 'वोटर अधिकार यात्रा मंगलवार को सुपौल से शुरू होकर मधुबनी में दाखिल हुई।